C.B.S.E Board

कक्षा : 10

हिंदी B

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड - क

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×4) (1×1) = 9

डॉ॰ भीम राव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के एक छोटे से गाँव में हुआ था। डॉ॰ भीम राव अंबेडकर के पिता का नाम रामजी मालोजी सकपाल और माता का भीमाबाई था। अंबेडकर जी अपने माता-पिता की आखिरी संतान थे। भीमराव अंबेडकर का जन्म महार जाति में हुआ था जिसे लोग अछूत और बेहद निचला वर्ग मानते थे। छोटी जाति से होने की वजह से समाज की उपेक्षा का सामना करना पड़ा लेकिन मजबूत इरादों के बल पर उन्होंने देश को एक ऐसा रास्ता दिखाया जिसकी वजह से उन्हें आज भी याद किया जाता है। भीम राव अंबेडकर एक नेता, वकील, गरीबों के मसीहा और देश के बहुत बड़े नेता थे जिन्होंने समाज की बेड़ियाँ तोड़ कर विकास के लिए कार्य किए। अपने अथक परिश्रम से एम एस सी, डी एस सी। तथा बैरिस्ट्री की डिग्री प्राप्त कर लंदन से भारत लौटे। 1923 में बम्बई उच्च न्यायालय में वकालत शुरु की अनेक कठिनाईयों के बावजूद अपने कार्य में निरंतर आगे बढते रहे। एक मुकदमे में उन्होंने अपने ठोस तर्कों से अभियुक्त को फांसी की सजा से मुक्त करा दिया था। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने निचली अदालत के फैसले को रद्द कर जाने वाले

अंबेडकर जी कुछ ही समय में देश की एक चर्चित हस्ती बन चुके थे। 6 दिसंबर 1956 को अंबेडकर जी की मृत्यु हो गई।

1. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
2. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर का जन्म कौन-सी जाति में हुआ था? उसका समाज में क्या स्थान था?
3. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर अथक परिश्रम से कौन-कौन-सी डिग्री प्राप्त की थी?
4. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर एक चर्चित हस्ती कैसे बने?
5. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर कौन थे?

प्र. 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x3=6

जो साथ फूलों के चले,
जो ढाल पाते ही ढले,

वह ज़िन्दगी क्या ज़िन्दगी,
जो सिर्फ़ पानी-सी बही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं,

अपने हृदय का सत्य,
अपने आप हमको खोजना।
अपने नयन का नीर,
अपने आप हमको पोंछना।

आकाश सुख देगा नहीं,
धरती पसीजी है कहीं,

हर राही को भटक कर,
ही दिशा मिलती रही,

सच हम नहीं सच तुम नहीं।

बेकार है मुस्कान से,
ढकना हृदय की खिन्नता।
आदर्श हो सकती नहीं,
तन और मन की भिन्नता।

जब तक बंधी है चेतना,
जब तक हृदय दुख से घना,

तब तक न मानूँगा कभी,
इस राह को ही मैं सही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।

सच है महज संघर्ष ही !
सच है महज संघर्ष ही।
जगदीश गुप्त

(क) कवि किस प्रकार की ज़िन्दगी को सार्थक जिंदगी नहीं मानता?
(ख) जीवन-संघर्ष में कैसे लोग विजयी होते हैं?
(ग) कवि अपने आँसुओं को स्वयं ही पोंछने के लिए क्यों कहता हैं?

खण्ड - ख

प्र. 3. संयुक्त वाक्य किसे कहते है? मिश्र वाक्य किसे कहते है? 1+1=2

प्र. 4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1x3=3

(क) राम के पास जो कुछ था, वह खो गया। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)
(ख) दोपहर होते-होते हम इलाहाबाद पहुँचे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) जो लोग मेहनती होते हैं, वे उन्नति करते हैं। (सरल वाक्य में बदलिए)

प्र. 5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 1+1=2

आजीवन, नमक-मिर्च।

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए : 1+1=2

राजा का पुत्र, नीलकंठ

प्र.6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 1×4=4

(क) जितनी करनी वैसी भरनी।

(ख) मोर के पास सुंदर पंख होते हैं।

(ग) मेरा लक्ष्य केवल विद्या-प्राप्ति होगी।

(घ) मैं सप्रमाण सहित कहता हूँ।

प्र. 7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : 1+1=2

छाती पर साँप लोटना, पाँव जमीन पर न पड़ना।

खण्ड - ग

प्र. 8 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) 26 जनवरी 1931 के दिन को अमर बनाने के लिए क्या-क्या तैयारियाँ की गई?

(ख) शेख अयाज के पिता अपने बाजू पर काला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़ कर क्यों उठ खड़े हुए?

(ग) शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँबे से क्यों की गई है?

प्र. 8 ब अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ का लेखक "मिट्टी मिले खो के सभी निशान" - उक्ति के माध्यम से क्या कहना चाहता है? उदहारण देकर स्पष्ट कीजिए। 5

प्र. 9 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती हैं? स्पष्ट कीजिए।

(ख) विरासत में मिली चीजों की बड़ी संभाल क्यों होती है स्पष्ट कीजिए।

(ग) कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने देशवासियों से क्या अपेक्षाएँ रखी हैं?

प्र. 9 ब पावस ऋतु में प्रकृति में कौन-कौन से परिवर्तन आते हैं? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 5

प्र. 10. टोपी और इफ़्फ़न की दादी अलग-अलग मजहब और जाति के थे पर एक अनजान अटूट रिश्ते से बँधे थे। इस कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए। 5

खण्ड - घ

प्र. 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए : 5

- नारी
- मेरी प्रिय हिंदी कवयित्री
- प्रकृति

प्र.12. अपने क्षेत्र के पोस्टमास्टर को ठीक से डाक वितरण न होने की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए पत्र लिखिए। 5

प्र. 13. विद्यालय में आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने हेतु समाजसेवा करने का निश्चय किया गया है। जो छात्र हिस्सा लेना चाहते हैं, वे हेड बॉय से संपर्क करें। इस विषय पर सूचना-पत्रक लिखिए। 5

प्र. 14. दूरदर्शन के कार्यक्रमों के विषय में माता और पुत्री के बीच होनेवाला संवाद लिखिए। 5

प्र. 15. निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : 5

ठंड के किए प्रयोग किए जानेवाले गरम कपड़ों का विज्ञापन तैयार कीजिए।

C.B.S.E Board

कक्षा : 10

हिंदी B

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड - क

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×4) (1×1) = 9

डॉ॰ भीम राव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के एक छोटे से गाँव में हुआ था। डॉ॰ भीम राव अंबेडकर के पिता का नाम रामजी मालोजी सकपाल और माता का भीमाबाई था। अंबेडकर जी अपने माता-पिता की आखिरी संतान थे। भीमराव अंबेडकर का जन्म महार जाति में हुआ था जिसे लोग अछूत और बेहद निचला वर्ग मानते थे। छोटी जाति से होने की वजह से समाज की उपेक्षा का सामना करना पड़ा लेकिन मजबूत इरादों के बल पर उन्होंने देश को एक ऐसा रास्ता दिखाया जिसकी वजह से उन्हें आज भी याद किया जाता है। भीम राव अंबेडकर एक नेता, वकील, गरीबों के मसीहा और देश के बहुत बड़े नेता थे जिन्होंने समाज की बेड़ियाँ तोड़ कर विकास के लिए कार्य किए। अपने अथक परिश्रम से एम एस सी, डी एस सी। तथा बैरिस्ट्री की डिग्री प्राप्त कर लंदन से भारत लौटे। 1923 में बम्बई उच्च न्यायालय में वकालत शुरु की अनेक कठिनाईयों के बावजूद अपने कार्य में निरंतर आगे बढते रहे। एक मुकदमे में उन्होंने अपने ठोस तर्कों से अभियुक्त को फांसी की सजा से मुक्त करा दिया था। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने निचली अदालत के फैसले को रद्द कर जाने वाले

अंबेडकर जी कुछ ही समय में देश की एक चर्चित हस्ती बन चुके थे। 6 दिसंबर 1956 को अंबेडकर जी की मृत्यु हो गई।

1. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

   उत्तर : डॉ॰ भीम राव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के एक छोटे से गाँव में हुआ था।

2. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर का जन्म कौन-सी जाति में हुआ था? उसका समाज में क्या स्थान था?

   उत्तर : भीमराव अंबेडकर का जन्म महार जाति में हुआ था जिसे लोग अछूत और बेहद निचला वर्ग मानते थे।

3. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर अथक परिश्रम से कौन-कौन-सी डिग्री प्राप्त की थी?

   उत्तर : अपने अथक परिश्रम से एम एस सी, डी एस सी तथा बैरिस्ट्री की डिग्री प्राप्त कर लंदन से भारत लौटे।

4. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर एक चर्चित हस्ती कैसे बने?

   उत्तर : एक मुकदमे में उन्होंने अपने ठोस तर्कों से अभियुक्त को फांसी की सजा से मुक्त करा दिया था। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने निचली अदालत के फैसले को रद्द कर जाने वाले अंबेडकर जी कुछ ही समय में देश की एक चर्चित हस्ती बन चुके थे।

5. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर कौन थे?

   उत्तर : भीम राव अंबेडकर एक नेता, वकील, गरीबों के मसीहा और देश के बहुत बड़े नेता थे।

प्र. 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x3=6

जो साथ फूलों के चले,
जो ढाल पाते ही ढले,

वह ज़िन्दगी क्या ज़िन्दगी,
जो सिर्फ़ पानी-सी बही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं,

अपने हृदय का सत्य,
अपने आप हमको खोजना।
अपने नयन का नीर,
अपने आप हमको पोंछना।

आकाश सुख देगा नहीं,
धरती पसीजी है कहीं,

हर राही को भटक कर,
ही दिशा मिलती रही,
सच हम नहीं सच तुम नहीं।

बेकार है मुस्कान से,
ढकना हृदय की खिन्नता।
आदर्श हो सकती नहीं,
तन और मन की भिन्नता।

जब तक बंधी है चेतना,
जब तक हृदय दुख से घना,

तब तक न मानूँगा कभी,
इस राह को ही मैं सही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।

सच है महज संघर्ष ही !
सच है महज संघर्ष ही।
जगदीश गुप्त

(क) कवि किस प्रकार की ज़िन्दगी को सार्थक जिंदगी नहीं मानता?

उत्तर : कवि उस जिंदगी को सार्थक जिंदगी नहीं मानता जो संघर्षपूर्ण न हो और स्वार्थपूर्ण व्यवहार की अनुगामी हो।

(ख) जीवन-संघर्ष में कैसे लोग विजयी होते हैं?

उत्तर : जीवन-संघर्ष में वही मनुष्य विजयी होते हैं जो निराश हुए बिना निरंतर उत्साहित होकर आगे बढ़ते रहते हैं और ध्येय-पथ की ओर अग्रसर होते हैं।

(ग) कवि अपने आँसुओं को स्वयं ही पोंछने के लिए क्यों कहता हैं?

उत्तर : कवि अपने आँसुओं को स्वयं ही पोंछने के लिए कहता है, क्योंकि वह बताना चाहता है कि निरीह आदमी की कोई सहायता नहीं करता। कवि ने उदाहरण स्वरूप कहा है कि आकाश और धरती मनुष्य की निरीहता पर द्रवित नहीं होते हैं। अतः अपना पथ स्वयं प्रशस्त करना है।

खण्ड - ख

प्र. 3. संयुक्त वाक्य किसे कहते है? मिश्र वाक्य किसे कहते है? 1+1=2

उत्तर : दो अथवा दो से अधिक साधारण वाक्य जब सामानाधिकरण समुच्चयबोधकों से जुड़े होते हैं, तो वे संयुक्त वाक्य कहलाते हैं। जिस वाक्य में एक मुख्य वाक्य और उसके आश्रित एक या एक से अधिक उपवाक्य हो उसे मिश्र वाक्य कहते हैं।

प्र. 4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1x3=3

(क) राम के पास जो कुछ था, वह खो गया। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

उत्तर : मिश्र वाक्य

(ख) दोपहर होते-होते हम इलाहाबाद पहुँचे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर : दोपहर हुई और हम इलाहाबाद पहुँचे।

(ग) जो लोग मेहनती होते हैं, वे उन्नति करते हैं। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर : मेहनती लोग उन्नति करते हैं।

प्र. 5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 1+1=2

आजीवन, नमक-मिर्च।

उत्तर : आजीवन - जीवन भर - अव्ययीभाव समास

नमक-मिर्च - नमक और मिर्च - द्वंद्व समास

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए : 1+1=2

राजा का पुत्र, नीलकंठ

उत्तर : राजा का पुत्र - राजपुत्र - तत्पुरुष समास

नीलकंठ - नीला है कंठ जिसका (शिव) - बहुव्रीहि समास

प्र.6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 1×4=4

(क) जितनी करनी वैसी भरनी।

उत्तर : जैसी करनी वैसी भरनी।

(ख) मोर के पास सुंदर पंख होते हैं।

उत्तर : मोर के सुंदर पंख होते हैं।

(ग) मेरा लक्ष्य केवल विद्या-प्राप्ति होगी।

उत्तर : मेरा लक्ष्य केवल विद्या-प्राप्ति होगा।

(घ) मैं सप्रमाण सहित कहता हूँ।

उत्तर : मैं सप्रमाण कहता हूँ।

प्र. 7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : 1+1=2

छाती पर साँप लोटना, पाँव जमीन पर न पड़ना।

- छाती पर साँप लोटना - बड़े भाई की नई गाड़ी देखकर छोटे भाई की छाती पर साँप लोटने लगे।
- पाँव जमीन पर न पड़ना - जब से वह कक्षा में प्रथम आया है तब से उसके पाँव जमीन पर नहीं पड़ते।

खण्ड - ग

प्र. 8 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) 26 जनवरी 1931 के दिन को अमर बनाने के लिए क्या-क्या तैयारियाँ की गई?

उत्तर : 26 जनवरी 1931 के दिन को अमर बनाने के लिए कलकत्तावासियों ने अनेक तैयारियाँ की थी जैसे लोगों ने अपने मकानों को खूब सजाया था, शहर के प्रत्येक भाग में राष्ट्रीय झंडे लगाए गए थे, कुछ लोगों ने तो अपने घर और मकानों को ऐसे सजाया था जैसे स्वतंत्रता प्राप्त ही हो गई हो।

(ख) शेख अयाज के पिता अपने बाजू पर काला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़ कर क्यों उठ खड़े हुए?

उत्तर : शेख अयाज के पिता अपने बाजू पर काला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़ कर उस च्योंटे को कुएँ पर छोड़ने के लिए उठ खड़े हुए क्योंकि उनके अनुसार उन्होंने उस च्योंटे को घर से बेघर कर दिया था अत: बिना समय गवाँए वे उस च्योंटे को उसके घर अर्थात् कुएँ पर छोड़ आते हैं।

(ग) शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँबे से क्यों की गई है?

उत्तर : शुद्ध सोने में किसी प्रकार की मिलावट नहीं की जा सकती। ताँबे से सोना मजबूत हो जाता है परन्तु शुद्धता समाप्त हो जाती है। इसी प्रकार व्यावहारिकता में शुद्ध आदर्श समाप्त हो जाते हैं। परन्तु जीवन में आदर्श के साथ व्यावाहारिकता भी आवश्यक है, क्योंकि व्यावाहारिकता के समावेश से आदर्श सुंदर व मजबूत हो जाते हैं।

प्र. 8 ब अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ का लेखक "मिट्टी मिले खो के सभी निशान" - उक्ति के माध्यम से क्या कहना चाहता है? उदहारण देकर स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर - इन उक्ति के द्वारा लेखक यह कहना चाहता है कि सभी प्राणी और मनुष्य की नजरों में एक है। सभी को बनानेवाला वह एक ही ईश्वर है अत:वह किसी में कोई भेदभाव नहीं करता है। सभी प्राणी धरती में जन्म लेते है और इसी धरती में विलीन भी हो जाते हैं।

प्र. 9 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : मीरा श्रीकृष्ण को सर्वस्व समर्पित कर चुकी हैं। वे कृष्ण की दासी बनकर उनके दर्शन का सुख पा सकेगी और उनके समीप रह पाएगी। इस प्रकार मीरा दासी बनकर श्रीकृष्ण के दर्शन, नाम स्मरण रूपी जेब-खर्च और भक्ति रूपी जागीर तीनों प्राप्त कर अपना जीवन सफल बनाना चाहती हैं।

(ख) विरासत में मिली चीजों की बड़ी संभाल क्यों होती है स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : विरासत में मिली चीज़ों की बड़ी सँभाल इसलिए होती है क्योंकि वे हमारे पूर्वजों व बीते समय की होती है। इनसे हमारा भावनात्मक संबंध होता है। इसलिए इन्हें अमूल्य माना जाता है। ये तात्कालिक परिस्थितियों की जानकारी के साथ दिशानिर्देश भी देती हैं। इसलिए इन्हें सँभाल कर रखा जाता है ताकि हमारे बच्चों के भविष्य-निर्माण का आधार मजबूत बन सके।

(ग) कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने देशवासियों से क्या अपेक्षाएँ रखी हैं?

उत्तर - 'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने देशवासियों से अपना सर्वस्व न्योछावर करने की अपेक्षाएँ रखी है।

प्र. 9 ब पावस ऋतु में प्रकृति में कौन-कौन से परिवर्तन आते हैं? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर : वर्षा ऋतु में पर्वतीय प्रदेश में प्रकृति प्रतिपल नया वेश ग्रहण करती दिखाई देती है। इस ऋतु में प्रकृति में निम्नलिखित परिवर्तन आते हैं -

1. बादलों की ओट में छिपे पर्वत मानों पंख लगाकर कहीं उड़ गए हों तथा तालाबों में से उठता हुआ कोहरा धुएँ की भाँति प्रतीत होता है।
2. पर्वतों से बहते हुए झरने मोतियों की लड़ियों से प्रतीत होते है।
3. पर्वत पर असंख्य फूल खिल जाते हैं।
4. ऊँचे वृक्ष आकाश की ओर एकटक देखते हैं।
5. बादलों के छा जाने से पर्वत अदृश्य हो जाता है।
6. ताल से उठते हुए धुएँ को देखकर लगता है, मानो आग लग गई हो।
7. आकाश में तेजी से इधर-उधर घूमते हुए बादल, अत्यंत आकर्षक लगते हैं।

प्र. 10. टोपी और इफ़्फ़न की दादी अलग-अलग मजहब और जाति के थे पर एक अनजान अटूट रिश्ते से बँधे थे। इस कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए। 5

उत्तर : टोपी हिंदू धर्म का था और इफ़्फ़न की दादी मुस्लिम। परंतु जब भी टोपी इफ़्फ़न के घर जाता दादी के पास ही बैठता। उनकी मीठी पूरबी बोली उसे बहुत अच्छी लगती थी। दादी पहले अम्मा का हाल चाल पूछतीं। दादी उसे रोज़ कुछ न कुछ खाने को देती परन्तु टोपी खाता नहीं था। अत: दोनों का रिश्ता जाति और धर्म से परे प्यार के धागे से बँधा था यहाँ पर लेखक ने यह समझाने का प्रयास किया है कि जब रिश्ते प्रेम से बँधे होते है तो तब धर्म, मजहब सभी बेमानी हो जाते हैं।

खण्ड - घ

प्र. 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए : 5

नारी

भारत में नारियों को हर दृष्टि से पूज्य माना जाता रहा है- 'नारी तू नारायणी' कहा जाता है।

संस्कृत में एक श्लोक है - 'यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता: (भावार्थ - जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं।)

इतिहास के कुछ अंधकारमय कालखण्ड को छोड़कर सदा ही नारी के शिक्षा एवं संस्कार को महत्त्व प्रदान किया गया।

भारत में 19वीं शताब्दी में प्राय: सभी शैक्षिक संस्थाएँ जनता में नेतृत्व करनेवाले व्यक्तियों द्वारा संचालित थीं। इनमें कुछ अँग्रेज व्यक्ति भी थे। उस समय राजा राममोहन राय ने बाल विवाह तथा सती की प्रथा को दूर करने का अथक परिश्रम किया। इन कुप्रथाओं के दूर होने से नारी शिक्षा को प्रोत्साहन मिला। ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने बंगाल में कई स्कूल लड़कियों की शिक्षा के लिए खोले।

पहले स्त्री को अबला माना जाता था। परन्तु आज की नारी अबला नहीं। बीते समय में स्त्री का घर से निकलकर नौकरी करना बहुत बुरा माना जाता था। उसे घर में रखी वस्तु के समान ही समझा जाता है। लेकिन जबसे वह शिक्षित हुई है, उसने इस धारणा के खण्ड-खण्ड कर दिया हैं। बीसवीं सदी के अंतिम दशक में समाज में आर्थिक सामाजिक बदलाव आए तब नारी के लिए भी नौकरी और शिक्षा के अवसर कंप्यूटर, मिडिया, पत्रकारिता, सेना, डाक्टर, विज्ञान आदि जगह पर भी अपना सिक्का जमा लिया अब नारी कि दुनिया बदल रही है हर क्षेत्र में उसकी योग्यता को सराहा जाता है। नौकरी के साथ आज वह अपना परिवार भी बहुत अच्छी तरह से संभाल रही है। वह एक माँ भी है पत्नी भी प्रेमिका भी पर आज उसका अपना कैरियर भी है वह अब खुले आकाश में अपनी उड़ान भरना चाहती है।

मेरी प्रिय हिंदी कवयित्री

हिंदी काव्य साहित्य अत्यंत विशाल एवं समृद्ध है। अनेक कवियों ने अपनी सुंदर रचना से हिंदी काव्योदयान को पुषिपत और पल्लवित किया है। इन कवि रत्नों में किसी को अपना प्रिय बताना बड़ा कठिन है। फिर भी जहाँ तक चुनाव का प्रश्न है, मेरी प्रिय कवियत्री महादेवी वर्मा है।

श्रीमती महादेवी वर्मा का जन्म फरुखाबाद में सन 1907 में हुआ था। आपने अपनी आरंभिक शिक्षा इंदौर में पाई। महादेवी जी का कार्यक्षेत्र लेखन, संपादन और अध्यज्ञपन रहा। महादेवीजी को साहित्य का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार भारतीय ज्ञानपीठ प्राप्त हुआ है। महादेवी वर्मा श्रेष्ठ कवयित्री और लेखक ही नहीं थीं, वे एक संवेदनशील महिला भी थीं। उनमें ममता, करुणा, निष्ठा, श्रदधा, भावुकता, देशप्रेम तथा निर्भयता आदि गुण कूट-कूट कर भरे हुए थे।

भाषा पर महादेवी का पूर्ण अधिकार था। महादेवी ने गद्य और पद्य में अनेक रचनाए की है। नीहार, नीरजा, रशिम, सांध्य, गीत, यामा, दीपशिखा आदि काव्यग्रंथों की महादेवी जी ने रचना की है। दूसरी ओर अतीत के चलचित्र, श्रृंखला कड़ियाँ, स्मृति की रेखायें, पथ के साथी आदि कृतियों में महादेवी जी ने जीवन की यर्थाथ पीड़ाओं एवं कमियों को देखा है।

आधुनिक युग की मीरा के नाम से प्रसिद्ध श्रीमती महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व पर विचार करते हुए श्री राजेन्द्र सिंह गौड़ लिखते हैं, उनके जीवन में वेदना भी है, रुदन भी है। इन दोनों के समन्वय में ही उनके उनके व्यक्तित्व की विशेषता है। वास्तव में महादेवी जी के जीवन और साहित्य में करुणा, वेदना तथा विरह की वह अभूतपूर्व त्रिवेणी उत्पन्न हुई है जिससे समस्त हिंदी साहित्य उसकी सरसता से ओतप्रोत है।

खड़ी बोली में कोमल, सुन्दर, कल्पना-प्रधान एवं चिंतन की प्रेरणा देने वाले साहित्य की सृष्टि के कारण इनका हिन्दी साहित्य में अन्यतम स्थान माना जाता है।

प्रकृति

मनुष्य प्रकृति से सदा से जुड़ा हुआ है। प्रकृति परमात्मा की अनुपम कृति है। प्रकृति का पल-पल परिवर्तित रुप उल्लासमय है, हृदयाकर्षक है। वह सर्वस्व लुटाकर भी हँसती रहती है। प्रकृति अपने हजार रूपों में हमारे सामने खुशियों का ख़जाना लाती है। प्रकृति हमें सिखाती है कि जीवन हरपल आनंद से सराबोर है। नदियों का कल कल करता संगीत, झूमते गाते पेङ, एवं छोटे छोटे जीव हमें सिखाते हैं कि जीवन को ऐसे जियो की जीवन का हर पल खुशियों की सौगात बन जाए। प्रकृति की गोद में वो सुख है, जो हज़ारों की संपत्ति पाकर भी नहीं मिलता। इसके सानिध्य में रहकर मनुष्य जीने की प्रेरणा पाता है।

प्र.12. अपने क्षेत्र के पोस्टमास्टर को ठीक से डाक वितरण न होने की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए पत्र लिखिए। 5

अमर कौशिक
मकान नं. 10
नकुलविहार
नई दिल्ली- 110 035
दिनांक : 18 जुलाई 20XX

मुख्य डाकपाल
मुख्य डाकघर
कश्मीरी गेट
नई दिल्ली -110 006
माननीय महोदय
विषय : डाक की उचित व्यवस्था के लिए आग्रह

मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र, नकुल विहार, में डाक-वितरण की अवस्था की ओर दिलाना चाहता हूँ। आपके क्षेत्र में डाक-वितरण की व्यवस्था नितान्त शोचनीय है। कुछ दिनों से हमारी डाक समय पर नहीं मिल रही है।

साधारण पत्र दो सप्ताह के बाद प्राप्त होते है। कई बार पता सही और स्पष्ट लिखा होने के बावजूद पत्र गलत जगह पड़े हुए मिले है।
आशा है कि आप शीघ्र उपयुक्त बातों पर ध्यान देकर उचित कार्यवाही करें ताकि डाकिया फिर ऐसी लापरवाही न करे।
सधन्यवाद
भवदीय
अमर कौशिक

प्र. 13. विद्यालय में आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने हेतु समाजसेवा करने का निश्चय किया गया है। जो छात्र हिस्सा लेना चाहते हैं, वे हेड बॉय से संपर्क करें। इस विषय पर सूचना-पत्रक लिखिए। 5

न्यू इरा विद्यालय, नई दिल्ली
सूचना
20 जनवरी, 20..
आपको सूचित किया जाता है कि विद्यालय द्वारा आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने हेतु समाजसेवा करने का निश्चय किया गया है। 14 से 16 वर्ष की आयु के जो छात्र इस कार्यक्रम में हिस्सा लेना चाहते हो, वे अपना नाम हेड बॉय को 25 जनवरी तक दे सकते हैं। अधिक से अधिक बच्चे कार्यक्रम में भाग लेकर उसे सफल बनाएँ।
हेड बॉय
निर्मल

प्र. 14. दूरदर्शन के कार्यक्रमों के विषय में माता और पुत्री के बीच होनेवाला संवाद लिखिए। 5

माता : आजकल दूरदर्शन पर कार्यक्रमों की होड़ में अच्छे-बुरे का ध्यान नहीं रह गया। मैं तो कहती हूँ - इससे दूर ही अच्छे।
पुत्री : हाँ, माँ ! ऐसा ही है, पर कुछ अच्छे भी हैं।
माता : हो सकता है, पर अधिकांश कार्यक्रम तो ऐसे हैं जिनका न कोई उद्देश्य है और न ही कोई औचित्य।

पुत्री : परंतु कितने ऐसे कार्यक्रम भी आते हैं जो हमारे ज्ञान को बढ़ाते हैं तथा स्वस्थ मनोरंजन भी करते हैं।

माता : मुझे तो अधिकतर फिल्मी कार्यक्रम ही देखने मिलते है। इसका नैतिक मूल्यों से कोई संबंध ही नहीं। आज ये विद्यार्थी के पतन का कारण बने हुए हैं।

पुत्री : हाँ, माँ ! परंतु अच्छे कार्यक्रमों का चयन कर कुछ समय के लिए देखने में कोई बुराई नहीं।

माता : तुम ठीक कह रही हो, परंतु यह बात याद रखना।

प्र. 15. निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : 5

ठंड के किए प्रयोग किए जानेवाले गरम कपड़ों का विज्ञापन तैयार कीजिए।